Time : Three hours Maximum : 75 marks

SECTION A — (5 × 3 = 15 marks)

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्रत्येक उत्तर 50 शब्दों में हो।

1. औरंगजेब अपने आपको पिता की मृत्यु का दोषी क्यों मानते हैं?
2. 'लक्ष्मी का स्वागत' एकांकी का संदेश क्या है?
3. धर्मेन्द्र वासंती से विवाह क्यों नहीं करना चाहता?
4. 'बहुत बड़ा सवाल' एकांकी के शीर्षक की सार्थकता पर विचार कीजिए।
5. दाऊदयाल रहमान का ही ऋणों होने की बात क्यों कहता है?
6. मिठाईवाला अपनी मिठाइयों के गुणों के बारे में क्या कहता है?
7. प्रोफसर साहब ने देवी की मूर्ति की चोरी क्यों की?
8. चौबेजी अपने लड़के की नौकरी से न खुश क्यों थे?

SECTION B — (20 marks)

किन्हीं तीन की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। (3 × 5 = 15)

9. लेकिन, उस तकलीफ़ को पैदा करने का जिम्मा किसका है? हमारा। हमने ही लाहौर में दारा की कब्र बनाई । हमने ही आग्रा में मुहम्मद को भेजकर अब्बाजान का महल कैदखाने में दबदील कराया....!

10. वह मर गई, मै अभी रो भी न पाया कि तुम शगुन लेने पर जोर देने लगी। क्या मेरी पत्नी न थी? क्या वह कोई फालुतू चीज़ थी।

11. इसलिए कि हमारे समाज में ब्याह-शादी मनुष्य से मनुष्य के रिश्ते से नहीं होती, हमारे यहाँ शादियाँ होती हैं नौकरी के रिश्ते से, पद और भौतिक ख्यालों से।

12. आज जब मैं संयोग से डिप्टीकलक्टर हो गया तो, सहसा एकदम से मूल्यवान हो गया। बोया मैं आदमी नहीं, शेयर-मार्केट का भाव है।

13. मैं पहले ही कहता था, इस आदमी को चैरमैन नही बनना चाहिए। आज छुट्टी का दिन है, वैसे भी ठंड है, घर में रजाई में दुबककर सो रहा होगा।

किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए । (1 × 5 = 5)

14. दाऊदयाल का परिचय दीजिए।

15. 'क्रांतिकारी की कथा' के बारे में लिखिए

SECTION C — (4 × 10 = 40 marks)

किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए। प्रत्येक उत्तर 500 शब्दों में हों।

(2 × 10 = 20)

16. 'लक्ष्मी का स्वागत' एकांकी का मूल्यांकन कीजिए।

17. 'वसंत ऋतु का नाटक' एकांकी की समीक्षा कीजिए।

18. औरंगज़ेब का चरित्र चित्रण कीजिए।

किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए । (1 × 10 = 10)

19. 'मुक्तिधन' कहानी का सारांश लिखिए।

20. प्रोफसर का चरित्र-चित्रण कीजिए।

21. हिन्दी में अनुवाद कीजिए। (1 × 10 = 10)

We are all citizens of India. Each of us is a member of one great community, which includes every Indian. We should be grateful for this privilege and the thought of it should always prevent us from doing anything unworthy. The citizen has both rights and duties. Some people think only of their selfishness. But if we do not perform our duties, how can we claim our rights? India gives much to us and expects much from us in return.